Total number of printed pages-02

1(Sem-8/FYUGP)BNC(A)/DSCI

2024

HINDI

(Discipline Specific Core)

Paper Name: हिन्दी सम्प्रेषण

Paper Code: **HIN-DSC-141**

Full Marks: 60

Time: Two and Half Hours

(*The figures in the margin indicate full marks for the questions)*

Answer in Hindi

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए:** 1x7=7

(क) सम्प्रेषण क्या है?

(ख) भाषा की सबसे छोटी इकाई कौन-सी है?

(ग) मौखिक संप्रेषण का एक उदाहरण दीजिए।

(घ) औपचारिक पत्रों में क्या सम्बोधन लिखा जाता है?

(ङ) सम्प्रेषण को कितने भागो में बाँटा गया है?

(च) स्वर ध्वनि किसे कहते है?

(छ) 'आसमान टूट पड़ना' मुहावरे का अर्थ क्या है?

2. **निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए:** 2x4=8

(क) अभिवादन किसे कहते है ?

(ख) पारिवारिक पत्र किसे कहते है ?

(ग) 'अंधे की लकड़ी' और 'ईद का चाँद' – इन दो मुहावरों का वाक्य में प्रयोग कीजिए।

(घ) समूह सम्प्रेषण से क्या लाभ होता है ?

3. **निम्नलिखित में-से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए:** 5x3=15

(क) भाषा सम्प्रेषण के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

(ख) संवाद लेखन से क्या तात्पर्य है ?

(ग) सम्प्रेषण की आवश्यकता एवं महत्व क्या है ?

(घ) अपने मुहल्ले के पोस्ट मैन की कर्तव्य विमुखता का वर्णन करते हुए पोष्ट -मास्टर को शिकायती पत्र लिखिए।

(ङ) सम्प्रेषण के प्रकारों पर प्रकाश डालिए।

(च) अर्थ लिखकर निम्नलिखित मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए:
उल्टी गंगा बहाना, अपना उल्लू सीधा करना, हाथ साफ करना, अंगूठा दिखाना, आप भला तो जग भला।

4. निम्नलिखित में-से किन्हीं तीन प्रश्नों के सम्यक उत्तर दीजिए: 10x3=30

(क) हिन्दी ध्वनियों के उच्चारण की विशेषताएँ लिखिए।

(ख) भाषा एवं सम्प्रेषण की पारस्परिक सम्बंध पर प्रकाश डालते हुए सम्प्रेषण की उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।

(ग) निम्नलिखित में-से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए:

i. बेरोजगारी की समस्या
ii. क्रीड़ा और खेलकूद
iii. राजभाषा हिन्दी

(घ) सामूहिक लिखित सम्प्रेषण की परिभाषा बताकर मौखिक और लिखित सम्प्रेषण का सम्यक् विवरण दीजिए।

(ङ) 'पुष्प की अभिलाषा' कविता की मूल संवेदना क्या है तथा इसके कवि कौन हैं ?

(च) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :
मित्र का कर्तव्य इस प्रकार बताया गया है-उच्च और महान कार्य में इस प्रकार सहायता देना, मन बढ़ाना और साहस दिलाना कि तुम अपनी निज की सामर्थ्य से बाहर काम कर जाओ। यह कर्तव्य उसी से पूरा होगा, जो दृढ़चिन्त और सत्य-संकल्प का हो। इसलिए हमें ऐसे ही मित्रों की खोज में रहना चाहिए, जिनमें हमसे अधिक आत्मबल हो। हमें उनका पल्ला उसी तरह पकड़ना चाहिए, जिस तरह सुग्रीव ने राम का पल्ला पकड़ा था। मित्र हो तो प्रतिष्ठित और शुद्ध हृदय के हों, मृदु और पुरूषार्थी हों, शिष्ट और सत्यनिष्ठ हों, जिससे हम अपने को उनके भरोसे पर छोड़ सकें और यह विश्वास कर सकें कि – उनसे किसी प्रकार का धोखा न होगा।

i. गद्यांश का एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए।
ii. मित्र के कौन से कर्तव्य बताए गये हैं ?
iii. रेखांकित अंशों का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
iv. मित्र किस प्रकार के होने चाहिए ?
v. क्या हम मित्र से धोखे की उम्मीद करते हैं ? हाँ या नहीं तो क्यों हाँ/नहीं ?

****